पद्मावती माता की आरती

पद्मावती माता दर्शन की बलिहारियाँ।
पार्श्वनाथ महाराज बिराजै मस्तक ऊपर थारै।
सुरपति, फणपति, नरपति माता, खड़े रहे नित द्वारे॥१॥
जो जीव थारो शरणों लीनो सब संकट हर लीनो।
पुत्र-पौत्र धन सम्पत्ति देकर मंगलमय कर दीनो॥२॥
डाकिन, शाकिन, भूत भवानी थाराँ सब घबरावे।
वात पित्त कफ रोग मिटे और देह कंचन हो जावे॥३॥
जब-जब भीड़ पड़ी भक्तों पर तुमने रक्षा कीन्हीं।
बैरी का अभिमान चूर कर इज्जत दूनी दीनी॥४॥
दीप धूप नैवेद्य फूल फल भाव सहित ले आवे।
सुरगति में सौभाग्य अमर हो मनवांछित फल पावे॥५॥